item captioned "Hindjas offer $ 1.2 bn oil credit to India" which appeared in the 'Hindustan Times', dated August 1, 1991;

(b) if so, what are the details in this regard;

(c) whether Government have received any other offer from NRIs for the same purpose; and

(d) what are the details thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

पेट्रोलियम का मूल्य

603. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 29 जुलाई, 1991 के "द टेलीग्राफ" में "लोएस्ट कन्जम्पशन, हाईएस्ट प्राइस शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में पेट्रोलियम का खुदरा मूल्य अनेक विकसित एवं विकासशील देशों की तुलना में अधिक है ;

(ग) यदि हां, तो ब्रिटेन, फ्रांस, अमरीका, जापान, जर्मनी, चीन, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, श्रीलंका, बंगला देश, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पेट्रोलियम का प्रति लीटर विक्रय मूल्य क्या है ; और

(घ) क्या सरकार पेट्रोल के अधिक मूल्य और देश के आम आदमी पर इसके प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए पेट्रोलियम मूल्य नीति पर पुनर्विचार करने का विचार रखती है ; यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) विभिन्न देशों में पेट्रोल की कीमतों के संबंध में जानकारी नहीं रखी जाती है ।

(घ) ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है ।

हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर पाइपलाइन की अधिष्ठापित क्षमता

604. **श्री राम अंठमलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय गैस प्राधिकरण द्वारा निर्मित हजीरा, विजयपुर-जगदीशपुर पाइपलाइन परियोजना की अधिष्ठापित क्षमता का उपयोग गत अनेक वर्षों से नहीं किया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो इस पाइपलाइन द्वारा प्रतिदिन कितनी गैस की ढुलाई की जा सकती है और 1991-92 के दौरान अब तक इन पाइपलाइन द्वारा प्रतिदिन औसतन कितनी मात्रा में गैस की आपूर्ति की गई ;

(ग) क्या यह भी सच है कि आपूर्ति के लिए प्रचुर मात्रा में गैस उपलब्ध है ;

(घ) क्या सरकार ने किसी अन्य क्षेत्र में गैस का उपयोग करने का विचार किया है ; और

(ङ) पाइपलाइन की क्षमता का पूरा उपयोग न किए जाने के क्या कारण हैं और इससे भारतीय गैस प्राधिकरण को प्रतिमाह कितनी आर्थिक हानि हुई है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ङ) ढुलाई की क्षमता 18.2 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन है । वर्ष 1991-92 के

दौरान, अक्तूबर, 1991 तक औसत आपूर्ति लगभग 10 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन थी । पाइपलाइन की क्षमता के भावी उन्नयन को हिसाब में लेते हुए, पहले ही 34.4 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन का आबंटन किया जा चुका है । कम उपयोग का कारण है कुछ डाऊन-स्ट्रीम परियोजनाओं की स्थापना में विलम्ब । गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड के अनुसार, प्रत्येक मिलियन घन मीटर गैस प्रति दिन से कम क्षमता का उपयोग करने के कारण उन्हें लगभग 2.5 करोड़ रुपए प्रति माह का घाटा होता है ।

पेट्रोल की मांग

605. **श्री रणजीत सिंह :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में पेट्रोल की मांग प्रतिवर्ष बढ़ रही है ;

(ख) यदि हां, तो चालू वित्तीय वर्ष के लिए पेट्रोल की कुल कितनी मात्रा की खपत का अनुमान लगाया गया है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में कच्चे तेल को परिष्कृत करने की अधिष्ठापित क्षमता केवल 51.85 मी० टन है ;

(घ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि 1994–95 तक पेट्रोल की मांग लगभग 70 मी० टन हो जाने की आशा है ;

(ङ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि उत्पादन बढ़ाने की दृष्टि से स्थापित किए गए तेल शोधक कारखानों में अभी तक उत्पादन प्रारम्भ नहीं हुआ है ; और यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(च) क्या यह सच है कि तेल शोधक परियोजनाओं को पूरा करने में की गई अपर्याप्त प्रगति से कच्चे तेल का उत्पादन कम हो जायेगा ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) जी, हां ।

(ख) अप्रैल से अक्तूबर तक, 1991 के दौरान पेट्रोल की कुल खपत 2103.0 टी०एम०टी० हुई है अर्थात् वर्ष 1990–91 की तदनुरूपी अवधि के दौरान खपत की तुलना में 0.7% की वृद्धि हुई है ।

(ग) जी, हां ।

(घ) जी, नहीं ।

(ङ) सभी रिफाइनरियों में उत्पादन हो रहा है ।

(च) जी, नहीं ।

Fixation of Gas price

606. SHRI SARADA MOHANTY:
SHRIMATI MIRA DAS:
SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the internationally accepted formula for the fixation of gas price per 1000 CMS for the consumers;

(b) whether Government and the O.N.G.C. follow the same formula; if so, in what manner;

(c) whether it is a fact that the capital accumulation for further expansion of O.N.G.C. is being done through the mechanism of high prices being charged from the consumers;

(d) whether Government propose to resort to any other method for raising the capital; and

(e) if so, what steps Government propose to take in that direction?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (e) Generally it is the long range marginal cost of production. The question of revising gas prices has been looked